

भारत वर्ष की पावन ब्रज वनस्थली में एक महान एकात्म चिंतक ने जन्म लिया, जिसने विश्व में भारत का, भारत में मथुरा का, और मथुरा में एक छोटे से गांव नगला चन्द्रभान का मान बढ़ा दिया। इसी गांव के एक विद्वान परिवार के भगवती प्रसाद उपाध्याय घर की विशम आर्थिक स्थिति के कारण अपने गांव से दूर रेलवे में नौकरी करते हैं। लेकिन आज के शुभ अवसर पर छुट्टी लेकर घर आए हैं।

भगवती प्रसाद:- राम प्यारी आज मैं बहुत प्रसन्न हूँ। ईश्वर की कृपा से हमें प्रथम पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है। इसका पूरा नाम दीनदयाल होगा और पुकारने का नाम दीना होगा। ज्योतिशी जी, बताइए यह बालक हमारे कुल का नाम कैसे रोशन करेगा?

ज्योतिशी:- लडका परमविरागी, महान तपस्वी, अद्वितीय विचारक, विद्वान वक्ता और राजनेता होगा। किन्तु शादी नहीं करेगा, परिवार नहीं बसाएगा।

